तूं था बीच कौम जाहिल, तित खुदाए ने दई अकल।
बरस बारहीं के लिए तीस, दस लिए अग्यारहीं के किए चालीस।। ८ ।।

आप क्षत्रिय घराने में थे। वहां से निकालकर अपने चरणों में लेकर खुदा ने जागृत बुद्धि का तारतम ज्ञान दिया। कुरान में बताए अनुसार रूह अल्लाह की चालीस वर्ष की बादशाही उनके ही अंग मोमिनों के द्वारा होनी है। श्री श्यामाजी महारानी के दूसरे तन श्री प्राणनाथजी से बादशाही हुई जो ग्यारहवीं सदी के अंतिम दस वर्ष (सम्वत् १७३५ से १७४५ तक) से बारहवीं सदी के तीस वर्ष (१७७५) तक हुई।

तुममें से कोई होएगा ऐसा, जो पोहोंच के करेगा वफा।
बीच ज्वानियां आगूं ज्वान, बाहेर फेर हुए निदान।। ९ ।।

कुरान में पहले से ही लिखा है कि मोमिनों में से कोई ऐसा सिरदार होगा जो खुदा की आज्ञा का पालन करेगा और उसी अनुसार मोमिनों में से श्री प्राणनाथजी ने सिरदारी की।

।। प्रकरण ।। २० ।। चौपाई ।। ४६२ ।।

लिख्या आम सिपारे सूरत, आठईं माहें मजकूर कयामत।
सौंह करी साहेब आसमान, ए इसारत बारहीं सदी में निदान।। १ ।।

कुरान के तीसवें सिपारे (आम सिपारे) की आठवीं सूरत में कयामत का बयान लिखा है। जिसको रसूल साहब ने कसम खाकर कहा कि खुदा आएंगे और बारहवीं सदी में कयामत होगी।

दो हादी दसमी सदी से आए, उमत तिनमें लई मिलाए।
दस ऊपर दोए बुरज जो कही, इनमें हादी उमत मजकूर भई।। २ ।।

दसवीं सदी से रूह अल्लाह श्री श्यामाजी महारानी श्री देवचन्द्रजी के तन में प्रगट हुए और ग्यारहवीं सदी में श्री प्राणनाथजी आए। इन दोनों स्वरूपों ने मोमिनों की जमात को इकट्ठा किया। कुरान में जो दस और दो बुर्ज कहे हैं, वह बारहवीं शताब्दी का वर्णन है। दसवीं सदी के ऊपर दो बुर्ज ही दो स्वरूप हैं। इन स्वरूपों की मोमिनों को पहचान हुई।

दस और दोए जुदे कहे, ए इसारत जिनकी सोई लहे।
ए बुरज कहे दस और दोए, ए गिनती मजल चांदकी सोए।। ३ ।।

कुरान में सीधे बारह न लिखकर दस और दो लिखे हैं। यह इशारतें जिनके वास्ते लिखी हैं, वह मोमिन ही समझेंगे। यह दस और दो बुर्ज जो कहे हैं, इनका अर्थ है कि मुहम्मद साहब जिनको दूज का चांद कहा है। उनके जाने के बाद दसवीं सदी के बाद दो स्वरूप आएंगे और बारहवीं सदी में कयामत होगी।

या दरिया या आसमान सब, ए कौल साहेब का न भूलें कब।
ए सौगंद खाए के करी सरत, एही रोज जो कही कयामत।। ४ ।।

यहां समुद्र और आसमान सभी खुदा के हुकम से बने हैं। यह उनके हुकम के अनुसार ही चलते हैं। मुहम्मद साहब ने सौगन्ध खाकर कहा कि बारहवीं सदी में कयामत होगी।

फेर फेर कह्या सौं खाई, अल्ला की साहेदी देवाई।
खुदाए देखता है सबन, और जानता है सबन के मन।। ५ ।।

उन्होंने बार-बार खुदा की सौगन्ध खाकर कयामत होने को कहा है और कुरान की गवाही भी दी है। रसूल साहब ने कहा कि खुदा सबको देखता है और सबके दिलों को जानता है।

Nijanand App

ग्वाही भी साहेब की कही, सौंह भी खुदाए की खाई सही।
एक कौल बीच बंदा कह्या, पैगंमर भी एही भया।। ६ ।।

रसूल साहब ने खुदा की गवाही भी दी और उनकी सौगन्ध खाकर भी कहा कि खुदा खुद आएगा। एक जगह उन्होंने खुदा को बन्दे के रूप में आना बताया है, अर्थात् जब तक श्री प्राणनाथजी जाहिर नहीं हुए, तब तक मेहराज ठाकुर कहलाए और बाद में इमाम मेंहेंदी श्री प्राणनाथजी जाहिर हो गए।

॥ प्रकरण ॥ २१ ॥ चौपाई ॥ ४६८ ॥

अमेतसालून

महंमदें जाहेर करी दावत, डर फुरमाया रोज कयामत।
पढ़्या खलक ऊपर कुरान, ए तीनों मानें नहीं फुरमान।। १ ।।

रसूल साहब ने कयामत आने की दावत जाहिर की और सबको उनके कर्मों के हिसाब से बयान होने का डर भी बताया। इस बात को उन्हीं लोगों को कुरान से पढ़ाया, परन्तु बेईमान लोग यह तीनों बातें न मुहम्मद को, न कयामत को और न कुरान को ही मानते हैं।

काफर पूछें मोमिनों से ले, न पूछे रसूल को दिल दे।
खुदाए ताला ने कह्या यों कर, किस चीज से पूछें काफर।। २ ।।

काफिर लोग रसूल साहब के पास दिल की चाहना से पूछने नहीं आते, बल्कि उनके सेवकों से दोष निकालने के लिए पूछा करते हैं कि कुरान में लिखा है कि तब खुदा ताला ने इस तरह से कहा कि इन काफिर लोगों को किस बात का संशय है?

कुरान चीज ऐसी बुजरक, फेर तिनमें ल्यावें सक।
रसूल को नाम धरें काफर, कितवा झूठा जादूगर।। ३ ।।

खुदा ने कहा कि तुम्हें कुरान से इतना महत्वपूर्ण ज्ञान दिया है। फिर भी उस पर संशय लाते हो। काफिर रसूल साहब को झूठी कविता करने वाला कवि और झूठे चमत्कार करने वाला जादूगर कहते हैं।

ए बुजरक बुनियाद नबुवत, बीच कौल दरगाह बड़ी सिफत।
कोई कहे पैगंमर है, कोई सायर दिवाना कहे।। ४ ।।

रसूल साहब शुरू से ही पैगम्बर हैं। कुरान में लिखे अनुसार रसूल साहब की बड़ी भारी महिमा है, किन्तु कुछ लोग तो पैगम्बर मानते हैं। कुछ लोग कवि (शायर) और कुछ दीवाना कहते हैं।

कोई कोई कयामत को मानें, कोई कोई सामे मारें तानें।
एक गिरो मिने नबुवत, कहे छुड़ावेंगे वे कयामत।। ५ ।।

कोई-कोई कयामत को मानते हैं और कोई सामने आकर ताना मारते हैं—बचो-बचो, कयामत आ रही है। एक जमात में रसूल साहब नबी कहलाते हैं। वह कहते हैं कि कयामत के समय रसूल साहब फिर आएंगे और हमको शैतान के पंजे से छुड़ाएंगे।

Nijanand App